

राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा सितंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए जारी एनएचबी रेजीडेक्स

प्रेस विज्ञप्ति

28 नवंबर 2022

राष्ट्रीय आवास बैंक ने सितंबर 2022 को समाप्त तिमाही के लिए **एनएचबी रेजीडेक्स** जारी किया। आवास मूल्य सूचकांक (एचपीआई) वित्त वर्ष 2017-18 को आधार वर्ष मानते हुए तिमाही आधार पर चुनिंदा 50 शहरों में आवासीय संपत्तियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव को ट्रैक करता है।

प्राथमिक ऋणदाता संस्थानों (**एचपीआई @ आकलन मूल्य**) से एकत्र किए गए संपत्तियों के मूल्यांकित मूल्यों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई ने सितंबर 2022 की तिमाही में 7.4% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की, जबकि एक साल पहले यह 2.7% थी।

एचपीआई @ आकलन मूल्य में वार्षिक परिवर्तन वाले शहरों 20.2% (गांधीनगर) की वृद्धि से लेकर 2.3% (भिवाड़ी) की गिरावट तक, में व्यापक रूप से भिन्न है।

50 शहरों में से 46 शहरों ने सूचकांक में वृद्धि दर्ज की जबकि 4 शहरों ने वार्षिक आधार पर गिरावट दर्ज की। देश के सभी आठ प्रमुख महानगरों अर्थात अहमदाबाद (13.9%), बेंगलुरु (6.0%), चेन्नई (11.6%), दिल्ली (6.7%), हैदराबाद (10.9%), कोलकाता (6.8%), मुंबई (2.4%) और पुणे (5.0%) ने वार्षिक आधार पर सूचकांक में वृद्धि दर्ज की।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50-शहरों के सूचकांक ने जुलाई-सितंबर 2022 में 1.2% का विस्तार दर्ज किया, जबकि पिछली तिमाही में यह 1.7% था। सूचकांक जून-21 से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर एक बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित कर रहा है।

जबकि लुधियाना, भिवाड़ी, हावड़ा, तिरुवनंतपुरम, पनवेल और न्यू टाउन कोलकाता ने तिमाही के दौरान एचपीआई @ आकलन मूल्य में अनुक्रमिक गिरावट दर्ज की (लुधियाना में 7.3% की अधिकतम गिरावट दर्ज की गई), सूचकांक में 44 शहरों में वृद्धि दर्ज की गई जिसमें कोच्चि (7.4%) ने उच्चतम अनुक्रमिक सुधार दर्ज किया।

50 शहर **एचपीआई @ निर्माणाधीन संपत्तियों के लिए बाजार मूल्य**, निर्माणाधीन और बिना बिकी संपत्तियों के लिए उद्धृत कीमतों का उपयोग करके गणना की गई, सितंबर 2022 की तिमाही में 8.5% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की गई, जबकि एक साल पहले यह 2.9% थी।

एचपीआई @ बाजार मूल्य में वार्षिक भिन्नता 37.7% (भुवनेश्वर) की वृद्धि से लेकर 6.5% (इंदौर) के संकुचन थी।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50 शहरों के सूचकांक में पिछली तिमाही में 1.8% की तुलना में तिमाही के दौरान 3.7% की वृद्धि देखी गई। निर्माण की बढ़ती लागत संपत्ति की मांगी जाने वाली कीमतों पर प्रभाव दिखा रही है।

कोविड-19 के बाद सूचकांकों में निरंतर सकारात्मक वृद्धि हुई है। टीयर II और टीयर III शहरों में सुधार अधिक प्रमुख रहा है और घर खरीदार भावना द्वारा समर्थित गति जारी रहने की उम्मीद है।
